पत्रिका {सिटी बुक}
CITY BOOK
Patrika, 31-8-25

वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान : रंगवासा के शिविर में आला अधिकारी आए

इंदौर मिनी मुंबई, इसकी उद्यमिता पूरे देश में है प्रसिद्ध : आरबीआइ गवर्नर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. भारत वर्तमान में विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अब तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। इंदौर को मिनी मुंबई कहा जाता है, जिसकी उद्यमिता पूरे देश में प्रसिद्ध है। बैंक ग्राहकों के घर-घर तक पहुंच रहे हैं। हर 5 किलोमीटर की परिधि में बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध हैं। डिजिटल बैंकिंग एवं यूपीआइ का अधिक से अधिक उपयोग करें। मोबाइल एवं ओटीपी किसी के साथ साझा न करें।

यह कहना भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) के गवर्नर संजय मल्होत्रा का है। वे शनिवार को इंदौर में थे। वे भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 30 सितंबर तक देशव्यापी वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान के तहत इंदौर पहुंचे थे। इसके तहत रंगवासा ग्राम पंचायत में लगे संतृप्ति शिविर में मल्होत्रा के साथ भारतीय स्टेट बैंक के अध्यक्ष सीएस शेट्टी, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के कार्यपालक निदेशक महेंद्र दोहरे, बैंक ऑफ इंडिया के कार्यपालक निदेशक सुब्रत कुमार, आरबीआइ भोपाल की क्षेत्रीय निदेशक रेखा चंदनावेली, कलेक्टर आशीष सिंह व रंगवासा सरपंच ममतेश चौहान शामिल हुए। इस अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री जन-धन योजना का खाता खोलने और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत नामांकन के साथ-साथ खातों का पुनः केवाइसी किया जा रहा है। इसमें नामांकन अद्यतनीकरण, अदावी जमा राशि, डिजिटल धोखाधड़ी और शिकायत निवारण के बारे में भी जागरुकता फैलाई जा रही है।

प्रमुख बैंकों के लगे स्टॉल

शिविर में 1 हजार ग्राहकों ने भाग लिया। ग्राम पंचायत में मौजूद प्रमुख बैंकों ने नामांकन एवं पुनः केवाईसी का लाइव अपडेट करने के लिए स्टॉल लगाए। आरबीआइ, वित्तीय साक्षरता केंद्र (सीएफएल) और स्व-सहायता समूहों ने भी स्टॉल लगाए।